



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 10, 1993/श्रावण 19, 1915

No. 151]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 10, 1993/SRAVANA 19, 1915

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1993

विषय :—जापान मूल के बिसफेनोल-ए के आयात के सम्बन्ध में पाटनरोधो जांच—प्रारम्भिक निष्कर्ष

सं. 14/73/92-टीपीडी :—भारत सरकार ने, वर्ष 1982 में यथासंशोधित सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके तहत बने नियम, 1985 को ध्यान में रखते हुए और प्रशासनिक मंत्रालय, अर्थात् उर्वरक तथा रसायन एवं पेट्रोरसायन मंत्रालय के परामर्श से, जबकि :

क. कार्यप्रणाली

(1) वर्ष 1982 में यथासंशोधित सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के तहत पदनामित प्राधिकारी को, जुलाई, 1992 में बिसफेनोल-ए के एक भारतीय विनिर्माता मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., बम्बई द्वारा दर्ज की गई एक लिखित शिकायत मिली। मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. को बिसफेनोल-ए के विनिर्माण के लिए अनुवर्, 1989 में एक आशय-पत्र दिया गया था। कंपनी ने वर्ष 1990 में निर्माण कार्य शुरू किया था। व्यावसायिक

उत्पादन मार्च, 1992 में शुरू किया गया। कंपनी की कुल क्षमता 5000 एम टो प्रति वर्ष है। कंपनी ने व्यावसायिक कार्य के पहले पूरे वर्ष में 3000 एम टो बिसफेनोल-ए का विनिर्माण करने का निश्चय किया है। महाराष्ट्र राज्य सरकार के एक उपक्रम मैसर्स महाराष्ट्र पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि. को मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. में 26% इक्विटी भागोदारी है। आवेदक कंपनी ने बिसफेनोल-ए का उत्पादन शुरू कर दिया है, जो एक आयात स्थानापन्न उत्पादन है। आवेदक कंपनी इस उत्पाद का ऐसा एकमात्र विनिर्माता है, जिसका उत्पादन घरेलू खपत के लिए उपलब्ध होगा। इस उत्पाद का केवल दूसरा निर्माता मैसर्स सिबनूत लि. है, जिसका विनिर्माण सीमित खपत के लिए होता है और किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए वह आयात का सहारा लेता है। इस प्रकार मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. सोमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का अभिज्ञान, पूर्वांकन एवं वसुली और अति का निर्धारण) नियम, 1985 के नियम 2(ग) के अनुसार "घरेलू उद्योग" का प्रतिनिधित्व करता है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जापान से सप्लायर भारत को बिसफेनोल-ए का निर्यात उस कीमत से भी कम कीमत पर कर रहा है जिस कीमत पर सप्लायर द्वारा यह उत्पाद अपने घरेलू बाजार अर्थात् जापान में बेचा जाता है और इससे बिस-

फेनोत्र-ए की विनिर्माता कंपनी अर्थात् मैसर्स कैसर पेट्रो-प्रोडक्ट्स प्रतिष्ठान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह कार्रवाई शुरू करने की न्यायोचित ठहराने के लिए इसे पर्याप्त आधार माना गया। आवेदक ने अनुरोध किया था कि वर्ष 1982 में यथासंशोधित भारतीय सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुच्छेद 9 (क) तथा 9 (ख) के उपबन्धों के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

(2) तदनुसार पदनामित प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र में दिनांक 12-8-1992 की एक सार्वजनिक सूचना सं. 14/73/92-टी पी डी द्वारा एच. एस. सोमाशुल्क शीट सं. 29072300 के तहत आने वाले जापान मूल के बिसफेनोल-ए के भारत में आयात से सम्बन्धित पाटनरोधी कार्रवाई आरम्भ करने की घोषणा की और जांच आरम्भ कर दी।

(3) पदनामित प्राधिकारी ने कथित सम्बन्धित निर्यातक और आयातकों, निर्यातक देश के प्रतिनिधि तथा शिकायतकर्ता को सरकारी तौर पर सलाह दी और प्रत्यक्ष रूप से संबंधित पार्टियों को अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने और सुनवाई हेतु अनुरोध करने का अवसर दिया। आवेदक ने अपनी याचिका में इस उत्पाद के एकमात्र निर्यातक का नाम मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि., जापान दिया था जिसे पदनामित प्राधिकारी ने एक प्रश्नावली भेजी थी, ताकि सम्बन्धित जानकारी का पता लगे।

(4) मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि. जापान ने अपने लिखित उत्तर में बताया कि वे विनिर्माता कंपनी न होकर व्यापारिक कंपनी हैं और वे भारत को जो बिसफेनोल-ए निर्यात करते हैं, उसे वे जापान में इस उत्पाद के विनिर्माताओं से खरीदते हैं तथा अपनी सेवाओं के लिए उन्हें कमोशन मिलता है, जिसको गणना उत्पाद के सी आई एफ/सी एंड एफ मूल्य के प्रतिशत अनुपात के आधार पर की जाती है। मौखिक रूप से मैसर्स मित्सुई एंड कं. ने बताया कि जापान में पांच विनिर्माताओं की बिसफेनोल-ए के विनिर्माण की कुल संख्या 3,20,000 एम टी है, जिसमें से अकेले मैसर्स मित्सुई केमिकल्स की क्षमता 1,05,000 एम टी है, मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि. ने आगे यह भी बताया कि अत्यधिक क्षमता एवं मांग में गिरावट तथा अन्य बाधाओं के कारण बिसफेनोल-ए के जापानी विनिर्माताओं की औसत उपयोग-क्षमता केवल लगभग 70% है। इसके अलावा जापान अमेरिका से भी लगभग 20,000 एम टी प्रति वर्ष आयात करता है। मैसर्स मित्सुई ने यह भी बताया कि जापान में घरेलू खपत 2,00,000 एम टी है और लगभग 40,000 एम टी का विश्व भर में निर्यात किया जाता है। मैसर्स मित्सुई ने यह भी बताया कि प्रचलित मानक अन्तराष्ट्रीय कीमत 900 सी आई एफ है। उन्होंने स्वीकार किया कि कीमत के भिन्न-भिन्न कई स्तर हैं और जापान में घरेलू खेता द्वारा प्रत्येक खरीद की मात्रा के आधार पर इन मूल्य स्तरों में काफी अन्तर है।

(5) शिकायतकर्ता भारतीय उत्पादक ने अपने विचार लिखित रूप में दिए हैं। वे संक्षेप में निम्नलिखित हैं:—

- (1) भारत के लिए जापान मूल के बिसफेनोल-ए की निर्यात कीमत उसकी सामान्य कीमत से कहीं कम थी।
- (2) जापान से बिसफेनोल-ए के आयात के कारण भारत-गणराज्य में उद्योग की स्थापना को वास्तव में घक्का लगा है।
- (3) भारतीय उत्पादक बाजार में अपना उत्पाद अर्थ-क्षम कीमत पर नहीं बेच पा रहा है, जबकि क्वालिटी अच्छी है और इसीलिए वह काफी घाटा उठा रहा है।
- (4) चूंकि भारतीय उत्पादक बाजार में अपना उत्पाद नहीं बेच पा रहा है, अतः सामान का ढेर लग गया है।

(6) भारत में बिसफेनोल-ए के कई ऐसे प्रयोक्ताओं ने भी निवेदन प्रस्तुत किए, जिनसे हवाला मांगा गया था। वे संक्षेप में निम्नलिखित हैं:—

(क) घरेलू उत्पादकों द्वारा विनिर्मित बिसफेनोल-ए की क्वालिटी घटिया किस्म की है। तथापि, कुछ स्थानीय उपभोक्ताओं ने मैसर्स कैसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. द्वारा विनिर्मित बिसफेनोल-ए की क्वालिटी के बारे में संतोष व्यक्त किया है।

(ख) बिसफेनोल-ए की कीमतों में जो गिरावट है वह पूरे विश्व में इस उत्पाद की कीमत में गिरावट के अनुरूप है और यह गिरावट पेट्रोरसायन उद्योग में विश्वव्यापी मंदी के कारण आई है।

(ग) बिसफेनोल-ए के उत्पादन के लिए प्रयुक्त कच्चे माल पर भारत गणराज्य में भारी आयात शुल्क लगता है।

(घ) भारतीय उत्पादकों को बिसफेनोल-ए उचित कीमत पर उपलब्ध होना चाहिए और घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता का कम उपयोग किये जाने का दंड उपभोक्ता को नहीं मिलना चाहिए।

(7) पदनामित प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निर्धारण के लिए आवश्यक मानकर जानकारी मांगी और इसे सत्यापित किया।

(8) डंपिंग की जांच के अन्तर्गत दिनांक 1 जनवरी, 1992 से 31 जुलाई, 1992 तक की अवधि आती है।

ख. विचाराधीन उत्पाद, समान उत्पाद और भारतीय उद्योग

1. विचाराधीन उत्पाद

(9) इस पाटनरोधी कार्रवाई के शुरू किये जाने के

नोटिस से संबंधित उत्पाद बिसफेनोल—ए है जो एच. एस. सीमाशुल्क शीर्ष सं. 29072300 के तहत आता है।

बिसफेनोल—ए एक कार्बनिक रसायन उत्पाद है और यह फेनोल तथा एसिटोन से बनाया जाता है और एपीक्सी राल, पोलिकाबोनेट आदि के उत्पादन में काम आता है।

2. समान उत्पाद

(10) जापान से भारत को जो बिसफेनोल—ए निर्यात किया जाता है। वह हर प्रकार से उसी तरह का बिसफेनोल—ए है, जैसा कि मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लिमि. उत्पादन एवं बिपणन करता है।

3. भारतीय उद्योग

(11) भारतीय बाजार का आकार अपेक्षाकृत छोटा रहा है। मैसर्स सिबातुल लि. को छोड़कर, जिसका उत्पादन सीमित खपत के लिए है घरेलू आवश्यकता मुख्यतः आयात के जरिये पूरी की जाती है। वित्तीय वर्षों (अप्रैल-मार्च) 1988-89, 1990-91 और 1991-92 के दौरान भारत गणराज्य में इस उत्पाद का कुल आयात क्रमशः 1493 एम. टी., 1983 एम. टी. और 1244 एम. टी. था। अप्रैल से जुलाई, 1992 के दौरान आयात 465 एम. टी. था। जापान भारत को इस उत्पाद का मुख्य सप्लायर है। उपर्युक्त आयात में से जापान से आयात क्रमशः वर्ष 1988-89 के दौरान 328 एम. टी. 1990-91 के दौरान 820 एक टी, 1991-92 के दौरान 786 एम. टी. और अप्रैल-जुलाई, 1992 के दौरान 248 एम. टी. था, इस प्रकार सम्बन्धित अवधि के दौरान 248 एम. टी. था, इस प्रकार सम्बन्धित अवधि के दौरान घरेलू बाजार में इसका हिस्सा क्रमशः 22%, 41%, 63% और 53% रहा।

ग. सामान्य मूल्य

(12) सामान्य मूल्य निर्यातक देश अर्थात् जापान में कीमत-निर्धारण पर निर्भर करता है। मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि. ने घरेलू बीजक प्रस्तुत किए हैं। जिनमें फरवरी, जुलाई एवं अगस्त, 1992 में बिसफेनोल—ए की घरेलू बिक्री को दर्शाया गया है। कोई अन्य विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण निर्यातक देश में सामान्य मूल्य मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि. द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर निर्धारित किया गया है।

घ. (निर्यात कीमत)

(13) जांच-अवधि के दौरान भारत के लिए बिसफेनोल—ए की निर्यात कीमत इस उत्पाद के लिए वास्तव में चुकाई गई कीमतों के आधार पर निर्धारित की गई थी, जो वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय और भारतीय सीमाशुल्क प्राधिकरण से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित थीं जो विश्वसनीय पाये गये और जांच-अवधि से संबंधित थे।

ड. तुलना

(14) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच स्पष्ट तुलना के उद्देश्य से और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम

की धारा 9 (ए) (2) के अनुसार प्राधिकारी ने उपर्युक्त पैराग्राफों में बताई गई उपलब्ध जानकारी को ध्यान में रखा। सभी तुलनाएं करते समय बिक्री की शर्तों में अन्तर के लिए कराधान में अन्तर के लिए तथा जापान से निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर कीमत की तुलना को प्रभावित करने वाले अन्तर के लिए पर्याप्त छूट दी गई।

(च) डंपिंग मार्जिन

(15) चूंकि निर्यात में काफी अन्तर रहा, इसलिए निर्यात की घरेलू रूप से बेची गई किस्म के लिए सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर तुलनीय किस्म की निर्यात कीमत (एफ ओ बी) से की गई थी।

(16) प्राधिकारी ने उपलब्ध जानकारी के आधार पर निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य का प्रारम्भिक रूप से निर्धारण किया और यह पाया कि जापान मूल का बिसफेनोल—ए डम्प किया गया था। डम्पिंग मार्जिन निम्न-लिखित है:

| | (अमरीकी डालर) प्रति एम. टी. |
|----------------|-----------------------------|
| निर्यात कीमत | 861 |
| सामान्य मूल्य | 1154 |
| डंपिंग मार्जिन | 293 |

(छ) क्षति

(17) प्राधिकारी का यह विचार है कि जापान मूल के बिसफेनोल—ए के आयात के प्रभाव का विश्लेषण इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए कि काफी निवेश करके एक नया भारतीय उद्योग स्थापित किया जा रहा है। यह उसी तरह के उत्पाद का विनिर्माण करता है जैसा कि इस देश में आयात किया गया है।

(18) नियम 18 सुपरा के तहत वास्तविक क्षति या उसकी आशंका या एक भारतीय उद्योग के वास्तव में पिछड़ने के तथ्य का निर्धारण करने के लिए पदनामित प्राधिकारी को जिन बातों को ध्यान में रखना होता है वे हैं—डम्प किये गये आयात की मात्रा तथा इसी तरह के उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयात का बाद में पड़ने वाला प्रभाव। जहां तक डम्प किए गये आयात की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि देश में इस उत्पाद की मांग काफी कम है, जिसे प्रारम्भ में, जब कोई भारतीय विनिर्माता नहीं था, तब मुख्यतः आयात द्वारा पूरा किया जा रहा था, देश में बिसफेनोल—ए के उत्पादन के लिए भारत में अब एक नया एकक स्थापित किया जा रहा है। कीमतों पर डम्प किए गए आयात का नया प्रभाव पड़ा है इस बात पर विचार

करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया कि क्या भारत में उसी तरह के उत्पाद की कीमतों की तुलना में डम्प किए गए आयातों में इसकी कीमत में बहुत अधिक कमी आई है अथवा ऐसे आयात का अन्यथा कीमतें कम करने या कीमतों में ऐसी वृद्धि को रोकने के मामले में प्रभाव पड़ा है, जो कीमत वृद्धि डम्प किये गए माल के अभाव में होनी थी और उक्त डम्पिंग के कारण घरेलू उद्योग आर्थिक रूप से अलाभकारी हो गया है।

(19) भारत में उद्योग की स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए पदनामित प्राधिकारी ने ऐसे संकेतों पर विचार किया जिनका संबंध उद्योग की स्थिति से होता है जैसे क्षमता का उपयोग, बिक्री, माल, सूची, लाभ और कीमत प्रवृत्तियां।

2. भारत में खपत

(20) भारतीय बाजार का आकार अपेक्षाकृत छोटा रहा है। कुल बाजार लगभग 2000 मी. टन प्रति वर्ष होने का अनुमान लगाया गया था। पिछले वर्षों के दौरान बिसफेनोल-ए की उपलब्धता मुख्यतः आयात द्वारा पूरी की जाती रही है।

3. डम्प किए गये आयात की मात्रा तथा बाजार शेयर

(21) वर्ष 1988-89, 1990-91, 1991-92 और 1992-93 में चार महीनों (अप्रैल 1992 से जुलाई 1992) की अवधि के दौरान बिसफेनोल-ए का कुल आयात क्रमशः 1493 एम टी, 1983 एम टी, 1244 एम टी और 465 एम टी था, जिनमें से जापान से आयात क्रमशः 328 एम टी, 820 एम टी, 786 एम टी और 248 एम टी था, जो कुल आयात का क्रमशः 22%, 41%, 65% और 53% है। इस प्रकार जापान से काफी निर्यात किया गया है और इसमें स्पष्ट वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है।

4. डम्प किए गए आयात की अमरीकी डालर और भारतीय रुपए के बीच कीमतें

(22) अमरीकी डालर की दृष्टि से जापान से बिसफेनोल-ए की आयात कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति रही है। वर्ष 1988-89 के दौरान आयात मूल्य 1418 अमरीकी डालर प्रति एम टी था जबकि वर्ष 1990-91 के दौरान यह घटकर 1350 अमरीकी डालर प्रति एम टी हो गया तथा वर्ष 1991-92 के दौरान इसमें और कमी आई तथा यह 1125 अमरीकी डालर प्रति एम. टी. रह गया। गिरावट की यह प्रवृत्ति अप्रैल से जुलाई, 1992 के दौरान भी जारी रही, जब औसत आयात कीमत 1012 अमरीकी डालर प्रति एम टी थी, आयात-कीमत जुलाई, 1992 के दौरान गिरकर 900 अमरीकी डालर प्रति एम टी हो गई। वर्ष 1991-92 के दौरान और इसके बाद यह तीव्र गिरावट की घटना उसी समयावधि के दौरान हुई जबकि जांचिका-दाता की देश में बिसफेनोल-ए के विनिर्माण के लिए

घरेलू उद्योग स्थापित करने की योजना थी। जांचिका-दाता द्वारा जून, 1992 में व्यावसायिक उत्पादन शुरू किये जाने से वे कीमतें प्रभावित हुईं जो घरेलू बाजार में वसूल की जा सकती थीं।

5. उद्योग पर अन्य संगत आर्थिक कारकों का प्रभाव

(क) संस्थापित क्षमता एवं क्षमता उपयोग

(23) भारत के घरेलू उद्योग मैसर्स केसर पेट्रो-प्रोडक्ट्स लि. की संस्थापित क्षमता जिसने मार्च, 1992 में अपना उत्पादन शुरू किया था, 5000 मी. टन है। मैसर्स केसर पेट्रो-प्रोडक्ट्स लि. की उपयोग क्षमता यथानुपात के आधार पर जून, 1992 और जुलाई, 1992 के दौरान क्रमशः 29.1% और 23.3% है।

(ख) माल सूची

(24) घरेलू उद्योग की बिसफेनोल-ए की अंतिम स्टॉक की स्थिति निम्नलिखित से देखी जा सकती है :—

| | (मी. टन) |
|-------------|----------|
| जून, 92 | 110 |
| जुलाई, 92 | 204 |
| अगस्त, 92 | 297 |
| सितम्बर, 92 | 402 |
| अक्टूबर, 92 | 582 |
| नवम्बर, 92 | 728 |
| दिसम्बर, 92 | 1000 |

बिसफेनोल-ए के अंतिम स्टॉक में घरेलू भारतीय विनिर्माता द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किए जाने के बाद से निरंतर वृद्धि होती रही है।

(ग) भारतीय उद्योग की बिक्री की मात्रा तथा बाजार शेयर

(25) चूंकि देश में बिसफेनोल-ए का उत्पादन बहुत सीमित मात्रा में हुआ, जिसका मुख्य रूप से कैपटिव उपयोग के लिए प्रयोग किया जा रहा है अतः मै. सिवातुल सहित उत्पाद की मांग को आयातों से पूरा किया जाना था। मै. केसर पेट्रो-प्रोडक्ट्स लि. के उत्पादन के शुरू होने से पहले, घरेलू आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोई भी भारतीय उद्योग नहीं था। मै. केसर पेट्रो-प्रोडक्ट्स लि. द्वारा उत्पादन शुरू किए जाने से लेकर डम्प किए गए आयातों के कारण कंपनी अपने उत्पाद को सफलतापूर्वक बेचने में असमर्थ रही है।

(घ) कीमत की प्रवृत्तियां तथा लाभप्रदता

(26) देशीय विनिर्माता थोड़ी सी मात्रा ही बेचने में समर्थ हुआ। कंपनी जून, 1992 में प्रति मी. टन 61000 रु. ही वसूल कर सकी। लगभग ऐसी ही प्रवृत्ति जुलाई-दिसम्बर, 1992 की अवधि में जारी रही। तथापि, कंपनी

स्थानीय रूप से अधिक माल नहीं बेच पाई। जून से दिसंबर, 1992 की अवधि के दौरान लगभग 1300 मी. टन के उत्पादन में से जून में 11 टन और जुलाई से दिसंबर, 92 में 73 टन ही बेच पाई।

(27) विनिर्माता की लाभप्रदता जापान मूल के उत्पाद के लगातार डम्प किए जाने जैसे बिक्री में कमी के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई है।

(6) निष्कर्ष :

(28) यह निर्धारित करने के लिए कि क्या नियम 18 की व्याख्या के भीतर भारतीय उद्योग की स्थापना में जापान आयातों से वास्तविक क्षति पहुंच रही है, पदनामित प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों पर ध्यान दिया :—

1. वर्ष 1992 में शुरू हुई उत्पादन की गई क्षमता, में से जून, 1992 के दौरान 10% से भी कम ही बेचा जा सका जबकि जून-दिसंबर, 1992 की 7 मास की अवधि में इस क्षमता के उत्पादन का 6%से अधिक नहीं बेचा जा सका।

2. जून, 1992 के दौरान प्राप्त की गई क्षमता का केवल 29% ही उपयोग किया जा सका और जून, 1992-दिसंबर, 1992 की अवधि में यथानुपात आधार पर यह 47% ही था।

3. जांच के अधीन देश जापान विसफिनोल-ए का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन करता है।

4. वर्ष 1991-92 के दौरान, जापान ने वर्ष 1990-91 में 41% की तुलना में 1991-92 के दौरान 63% आयात किया। जापान ने किए जाने वाले आयात का शेष वर्षों से लगातार बढ़ रहा है।

5. जापान से आयात किए जाने वाले विसफिनोल की कीमत में 1988-89 से कमी की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। कीमत में 1988-89 में 1418 यू.एस. डालर प्रति मी. टन से कम होकर 1990-91, में 1350 यू.एस. डालर प्रति मी. टन और 1991-92 में 1125 यू.एस. डालर प्रति मी. टन से अप्रैल-जुलाई, 1992 में 1012 यू.एस. डालर प्रति मी. टन और इसके बाद जुलाई, 1992 में 900 यू.एस. डालर प्रति मी. टन हुई।

6. भारतीय घरेलू उत्पादक को आयात के कारण लागत से भी कम कीमत पर उत्पाद को बेचना पड़ता है और आयातों का कीमतों को कम करने पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है और कीमत में वृद्धि को भी रोकता है जो अन्यथा बढ़ सकती है।

7. भारतीय उद्योग के उत्पाद की सूची में जून, 1992 से 110 मी. टन से दिसंबर, 1992 में 1000 मी. टन तक पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(29) देश की मौजूदा और अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त क्षमता सृजित की गई है। सस्ती/डम्प कीमतों पर आयातों की प्रतियोगिता के कारण देशीय उद्योग अपने उत्पाद को बाजार में नहीं भेज सके। मालसूचियों में पहले से ही वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। अतः यह महसूस किया गया था कि विश्व की मांग और आपूर्ति में समस्त असंतुलन तथा विश्व-बाजार में मंदी की स्थितियां निर्यातक देश को भारत में डम्प कीमतों पर विसफिनोल-ए को बेचने के लिए प्रेरित करती रहेंगी। इससे भारतीय विनिर्माता को हानियां होने की सम्भावना है और इसके परिणामस्वरूप लाभप्रदता, रोजगार, मजदूरी, क्षमता-उपयोग और निवेश से वित्तीय प्रतिफलों में कमी हो सकती है। इसको ध्यान में रखते हुए, यह माना जाता जापान से डम्प किए गए आयात से भारत में उद्योग की स्थापना करने में वास्तविक क्षति/हानि पहुंच रही है।

ज. भारतीय उद्योगों का हित :

1. ग्राम धारणा

(30) एंटी-डंपिंग शुल्कों का उद्देश्य ऐसी डंपिंग को समाप्त करना है जिसके कारण भारतीय उद्योग को क्षति पहुंच रही है या जिससे वास्तविक क्षति की आशंका है, अथवा भारतीय बाजार में खली और निष्पक्ष प्रतियोगिता स्थापित करने के लिए जो मूलतः देश के ग्राम हित में भारत में उद्योग की स्थापना करने में वास्तविक हानि होती हो।

(31) हालांकि प्राधिकारी यह मानते हैं कि एंटी डंपिंग शुल्क लगाने से भारतीय बाजार में संबंधित निर्यातकों का कीमत स्तर प्रभावित होगा और परिणामस्वरूप उनके उत्पादों को अपेक्षित प्रतिस्पर्धा संबंधी क्षमता पर भी कुछ प्रभाव पड़ेगा, तथापि ऐंगी आशा नहीं है कि एंटी डंपिंग उपाय करने से खास कर तब जबकि एंटी-डंपिंग शुल्क की उगाही भारत में भारतीय उद्योग की स्थापना करने में वास्तविक सजावट की स्थिति को ठीक करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो, भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी। इसके विपरीत, डंपिंग प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य है भारतीय उद्योग की स्थापना में वास्तविक सजावट को रोकना और इस प्रकार उत्पादकों/सप्लायरों की व्यापक रूचि की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायता करना।

(32) प्राधिकारी ने जापान से आयात किए गए विसफिनोल-ए पर एंटी-डंपिंग शुल्कों के प्रभावों पर भारतीय उद्योग और उपभोक्ता सहित अन्य इच्छुक पक्षों के विशेष हितों के सम्बन्ध में विचार किया है और उसे संतुलित बना दिया है।

2. भारतीय उद्योग का हित :

(33) भारतीय उद्योग को होने वाली वास्तविक क्षति की आशंका की प्रवृत्ति और खासकर इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जब भारतीय उद्योग में नई क्षमता आ गई है, इसे तब डम्प किए गए आयातों द्वारा उत्पन्न अहितकर प्रतियोगिता में लागू किया गया है, प्राधिकारी का विचार है कि हस्तक्षेप न किए जाने पर इस सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता कि भारतीय उत्पादक उत्पादन करना बंद कर दें। इससे उत्पादन में कमी आ सकती है, जिससे निवेश और रोजगार में कमी हो सकती है और इससे आपूर्तिकर्ताओं को पसंद में कटौती हो सकती है जो उपभोक्ताओं के हित में नहीं है।

3. अन्य पक्षकारों के हित :

(34) ऐसा तर्क दिया गया है कि एंटी डंपिंग उपाय करना भारतीय जनहित के प्रतिकूल होगा क्योंकि इससे कीमतें बढ़ेंगी, प्रतिस्पर्धा कम होगी और अन्य भारतीय उद्योगों को क्षति हो सकती है।

(35) यद्यपि यह स्पष्ट है कि अनुचित प्रक्रियाओं पर आधारित कीमत लाभ नाजायज है और ये आगे चल कर उस समय उपभोक्ताओं के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं जब उनके प्रभाव से प्रतिस्पर्धी कमजोर पड़ जाएंगे और उनके लुप्त होने की बढ़ावा देंगे, इस मामले में यह स्पष्ट नहीं है कि एपोक्सी रेजिन्स के उपभोक्ताओं के लिए संरक्षणात्मक उपाय किए जाने के परिणामस्वरूप कीमतों में पर्याप्त वृद्धि होगी क्योंकि बिसफिनोल-ए ही केवल एक ऐसा कच्चा माल है जिसको उपभोक्ता तक पहुंचाने से पहले और प्रसंस्कृत करना पड़ता है।

4. निष्कर्ष :

(36) निष्कर्षतः विभिन्न अंतर्ग्रस्त हितों का संतुलित करने के पश्चात प्राधिकारी का विचार है कि वर्तमान मामले में उपाय करने से डंपिंग प्रक्रियाओं के हानिकार प्रभाव को समाप्त करके उचित प्रतिस्पर्धा स्थापित होगी।

(37) इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि अनंतिम एंटी-डंपिंग शुल्क के रूप में एंटी-डंपिंग उपाय करना भारतीय जनता के आम हित में होगा।

1. शुल्क

(38) अनंतिम शुल्क के स्तर को स्थापित करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने प्राप्त डंपिंग मार्जिन तथा भारतीय उद्योग की स्थापना हेतु वास्तविक हानि समाप्त करने के लिए आवश्यक शुल्क राशि को ध्यान में रखा है।

(39) भारतीय उद्योग की स्थापना के लिए वास्तविक हानि 1992 के दौरान डम्प किए गए आयातों द्वारा हुए कीमत दबाव के कारण हुई। जांच-अवधि के दौरान उत्पादों की भारित औसत निर्यात कीमतों के साथ-साथ सीमा शुल्क के मूल तथा सहायक शुल्कों को भारत में प्रवेश करने वाले उत्पाद की कीमत आंकने के लिए आधार माना गया है।

भारत में उत्पादन लागत निर्धारित करने के उद्देश्य से पूर्ण क्षमता उपयोग के साथ समायोजित आकलन याचिकादाता के वास्तविक उत्पादन लागत के आंकड़ों के आधार पर किये गए। उपर्युक्त लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद, घरेलू कीमतों की तुलना डम्प किए गए आयातों की गिरती हुई कीमतों से की गई थी। उत्पाद शुल्क और प्रतिकारी शुल्क दोनों को इस गणना से अलग कर दिया गया था। घरेलू और आयातित कीमत के बीच यह तुलना शुल्क की वह राशि ज्ञात करने के लिए की गई जो भारत में उद्योग की स्थापना करने के लिए वास्तविक हानि के प्रभाव को यदि समाप्त नहीं तो कम करने के लिए आवश्यक थी।

(40) पदनामित अधिकारी ने दिनांक 27-2-93 को प्रस्तुत बजट के प्रभाव को ध्यान में रखा है। बिसफिनोल-ए पर आयात शुल्क 85% तक कम कर दिया गया है जिससे आयातित उत्पाद की लैण्डड कीमत में कमी हुई और आयातित उत्पाद की कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच अंतर और बढ़ गया है।

अ. निष्कर्ष

(41) तदनुसार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि :

(1) जापान के निर्यातक ने एच.एस. नामावली कोड सं. 29072300 के अंतर्गत आने वाले बिसफिनोल-ए को भारत में सामान्य मूल्य से कम पर बेचा है;

(2) भारतीय उद्योग को बिसफिनोल-ए के विनिर्माण के लिए, भारत में उद्योग की स्थापना में वास्तविक हानि का सामना करना पड़ा है; और

(3) भारतीय उद्योग की स्थापना में वास्तविक हानि जापान से डम्प किए गए आयातों के कारण हुई है।

ट. सिफारिशें

42. भारतीय एंटी-डंपिंग विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत डंपिंग-मार्जिन के बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जा सकेगा। तदनुसार नामित प्राधिकारी इस संबंध में गजट अधिसूचना की तारीख से चार महीनों की अवधि के लिए अनंतिम एंटी-डंपिंग शुल्क निम्नलिखित दर पर लगाने की सिफारिश करता है जो कि डंपिंग के मार्जिन के बराबर है :—

सी आई एफ मूल्य का प्रतिशत

—मैसर्स' तिसुई एंड कं. लि.; मि 28.9%

जापान द्वारा निर्यात

—जापान से होने वाले अन्य 28.9%

सभी निर्यात

43. अनंतिम एंटी डंपिंग शुल्क को प्रतिकारी शुल्क के आकलन के लिए नहीं जोड़ा जाएगा।

44. यह शुल्क जापान के नए भ्रष्टवा किसी अन्य निर्यातक पर भी लागू होगा जो वर्तमान प्रक्रियाओं के पक्ष में नहीं है।

45. सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध है कि इस अंतिम एंटी-डंपिंग शुल्क की अधिसूचना की तारीख के एक माह के अंदर अपने विचार बताएं और प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली मौखिक सुनवाई के लिए आवेदन करें।

वा. जे. गोपाल रेड्डी, पदनामित प्राधिकारी और
अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August 1993

Subject:—Anti-dumping investigation concerning import of Bisphenol-A originating from Japan—Preliminary findings.

No. 14/73/92-TPD.—The Government of India,

Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Rules, 1985 made thereunder, after consultation with the administrative Ministry, namely, the Ministry of Fertilizers and Chemicals and Petrochemicals,
Whereas :

A. PROCEDURE

(1) In July, 1992, the Designated Authority under the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982, received a written complaint, lodged by an Indian Manufacturer of Bisphenol-A, namely M/s. Kesar Petroproducts Ltd., Bombay. M/s. Kesar Petroproducts Ltd. were granted a Letter of Intent in October, 1989 for the manufacture of Bisphenol-A. The Company started construction work in 1990. The commercial production was started in March, 1992. The total capacity of the company is 3000 MT per annum. The company is scheduled to manufacture Bisphenol-A to the tune of 3000 MT in the first full year of commercial operation. M/s. Maharashtra Petrochemicals Corporation Ltd., an undertaking of the State Government of Maharashtra has an equity participation to the tune of 26% in M/s. Kesar Petroproducts Ltd. The applicant company has commenced production of Bisphenol-A, an import substitute product. The applicant company is the sole manufacturer of the product whose production shall be available for domestic consumption. The only other manufacturer of the product is M/s. Cibatul Ltd. M/s. Cibatul Ltd. manufacturer for its captive consumption and resort to imports for meeting any additional requirements. Thus M/s. Kesar Petroproducts Ltd. represent "domestic industry" as per rule 2(c) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985. The complainant has alleged that the foreign supplier from Japan is exporting Bisphenol-A to India at prices lower than the prices at which the product is sold by the foreign supplier in its domestic market, i.e., Japan and that this has adversely affected the establishment of the company, viz., M/s. Kesar Petroproducts for the manufacture of Bisphenol-A. This was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings. The petitioner requested that Anti-dumping Duty be levied as per the provisions of Articles 9(A) & 9(B) of the Indian Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1982.

(2) The Designated Authority, accordingly, announced by a Public Notice No. 14/73/92-TPD dated 12-8-1992 in the Gazette of India, the initiation of anti-dumping proceedings concerning imports into India of Bisphenol-A falling under H. S. Customs Heading No. 29072300 originating in Japan and commenced investigation.

(3) The Designated Authority officially advised the exporter and importers known to be concerned, the representative of the exporting country and the complainant and gave the parties directly concerned the opportunity to make their views known in writing and to request a hearing. The petitioner had named M/s. Mitsui & Co. Ltd., Japan in their petition as the sole exporter of the product, to whom the Designated Authority addressed a questionnaire to elicit the relevant information.

(4) M/s. Mitsui & Co. Ltd., Japan, in their written reply stated that they are not a manufacturing company but a trading company and they export Bisphenol-A to India which they buy from the manufacturers of the product in Japan and for their services they get commission which is calculated as a percentage on the CIF/C&F value of the product. During the course of oral submission, M/s. Mitsui & Co. submitted that the total capacity of Bisphenol-A in Japan of the five manufacturers is 3,20,000 M.T. of which the capacity of M/s. Mitsui Chemicals alone is 1,05,000 M.T. It was further stated by M/s. Mitsui Co. Ltd., that due to over capacity and drop in demand and other constraints, the average capacity utilisation of the Japanese manufacturers of Bisphenol-A is only about 70%. In addition, Japan also imports annually from the USA about 20,000 M.T. M/s. Mitsui further stated that domestic demand in Japan is over 2,00,000 M.T. and about 40,000 M.T. is exported worldwide. It was also stated by M/s. Mitsui that US \$ 900 CIF is the prevailing standard international price. M/s. Mitsui admitted that there are slab prices varying widely depending on the quantum of each purchase by the domestic buyer in Japan.

(5) The complaint Indian producer made their views known in writing. These are briefly as follows:—

1. The export price of Bisphenol-A for India, originating from Japan, was well below their normal value.
2. Imports from Japan of Bisphenol-A causing material retardation to the establishment of industry in the Republic of India.
3. Indian producer is unable to market its product at an economically viable price although the quality is good and hence is suffering substantial losses.
4. Since the Indian producer is not able to market its product, the inventories are piling up.

(6) A number of Bisphenol-A users in India, to whom a reference was made, also made submissions. They are briefly as follows:—

- (a) The quality of the domestic producers of Bisphenol-A is inferior. However, some of the local consumers also expressed satisfaction about the quality of Bisphenol-A manufactured by M/s. Kesar Petroproducts Ltd.
- (b) The decline in the prices of Bisphenol-A is in line with the price of the product world over and is mainly due to worldwide recession in the Petrochemicals Industry.
- (c) The raw material used for production of Bisphenol-A attract very high import duties in the Republic of India.
- (d) Bisphenol-A should be available to the Indian producers at a realistic price and the consumer should not be penalised for under utilisation of capacity by the domestic industry.

(7) The Designated Authority sought and verified information it deemed necessary for the purpose of a preliminary determination.

(8) The investigation of dumping covers the period from 1st January, 1992 to 31st July, 1992.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE PRODUCT AND INDIAN INDUSTRY

1. Product under consideration.

(9) The product covered by the notice of initiation of this anti-dumping proceeding is Bisphenol-A falling under H. S. Customs Heading No. 29072300.

Bisphenol-A is an organic chemical product and manufactured out of Phenol & Acetone and is used for the production of Epoxy Resins, Polycarbonate, etc.

2. Like Product.

(10) By and large the Bisphenol-A exported from Japan to India is alike, in all respect, to the Bisphenol-A produced and marketed by M/s. Kesar Petroproducts Ltd.

3. Indian Industry.

(11) The size of the Indian market has been relatively small. The domestic requirement, excluding those of M/s. Cibatul Ltd., the production of which is for captive consumption, has been met mainly through imports. Total imports of the product in the Republic of India during the financial years (April-March) 1988-89, 1990-91 and 1991-92 were of the order of 1493 M.T., 1983 M.T., 1244 M.T. respectively. Imports during April to July 1992 were of the order of 465 M.T. Japan is the main supplier of the product to India. Of the above imports, imports from Japan were 328 M.T. during 1988-89, 820 M.T. during 1990-91, 786 M.T. during 1991-92 and 248 M.T. during April-July, 1992 thus having a share of 22%, 41 per cent, 63 per cent and 53 per cent respectively of the domestic market during the respective period.

C. NORMAL VALUE

(12) Normal value is based on pricing in the exporting country, i.e., Japan M/s. Mitsui & Co. Ltd. furnished domestic invoices showing domestic sale of Bisphenol-A in February, July & August, 1992. In the absence of any other available reliable data, the normal value in the exporting country has been determined based on the information provided by M/s. Mitsui & Co. Ltd.

D. EXPORT PRICE

(13) The export prices to India of Bisphenol-A during the investigation period were determined on the prices actually paid for the product, based on the data available from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics and Indian Customs Authority, which was found to be reliable and related to the period of investigation.

E. COMPARISON

(14) For the purpose of a fair comparison between the normal value and the export price and in accordance with Section 9(A) (2) of the Customs Tariff Act, the Authority took into account the available information as outlined in the paragraphs above. All comparisons were made after making due allowance for differences in conditions and terms of sales for differences in taxation and other differences affecting price comparability based on the information made available by the exporter from Japan.

F. DUMPING MARGIN

(15) Since export varied considerably, normal value for the domestically sold variety of the exports were compared with the export price (FOB) of the comparable variety, at the same level of trade.

(16) The Authority has, based on the information available, preliminarily determined the export price and normal value and found the existence of dumping in respect of Bisphenol-A originating from Japan; the margin of dumping being as follows:

| | (US Dollar per M.T.) |
|-------------------|----------------------|
| Export price | 861 |
| Normal value | 1154 |
| Margin of Dumping | 293 |

G. INJURY

(17) The Authority considered that the effects of imports originating from Japan of Bisphenol-A were to be analysed in the light of the fact that a new Indian industry is being set up with substantial investment. It is manufacturing the like product which is comparable to the product imported into this country.

(18) Under Rule 18 supra, for determination of material injury or threat thereof or material retardation of the establishment of an Indian industry, the Designated Authority has to consider the volume of dumped imports and their effect on the prices in the domestic market for like products and the subsequent impact of such imports on domestic producers of such products. As regards volume of the dumped imports, the Authority took into account the fact that the demand of the product in the country is very limited which earlier in the absence of any domestic Indian manufacturer, was mainly being met by imports. A new unit is now being set-up in India for production of Bisphenol-A in the country. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of an identical product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred, and in turn making the domestic industry economically unprofitable because of dumping.

(19) For the examination of the impact on the establishment of an industry in India, the Designated Authority considered such indices as having a bearing on the state of industry, as utilisation of capacity, sales, inventories, profits and price trends.

2. Consumption in India

(20) The size of the Indian market has been relatively small. The total market was estimated at around 2000 tonnes per annum only. The availability of Bisphenol-A during the past years has been mainly met by the imports.

3. Volume and market share of dumped imports

(21) Total import of Bisphenol-A during the years 1988-89, 1990-91, 1991-92 and four months period in 92-93 (April '92 to July '92) were 1493 MT, 1983 MT, 1244 MT and 465 MT respectively of which imports from Japan were 328 MT, 820 MT, 786 MT and 248 MT respectively which constitute 22 per cent, 41 per cent, 63 per cent, and 53 per cent of the total imports. Thus, exports from Japan are substantial and have clearly shown an upward trend.

4. Prices of the dumped imports between U.S. Dollar and Indian Rupee

(22) The import prices of Bisphenol-A from Japan in US Dollar registered a declining trend from US Dollar 1418 per MT during 1988-89 to US Dollar 1350 per MT during 1990-91 and to US Dollar, 1125 per MT during 1991-92. The declining trend continued during April to July, 1992 when the average import was US Dollar 1012 per MT, the import price declining to US Dollar per MT during July, 1992. The steep decline during 1991-92 and thereafter coincided with the plan of the petitioner to set up the domestic industry for manufacture of Bisphenol-A in the country and with the commencement of commercial production by the petitioner in June, 1992 thereby affecting the price that could be realised in the domestic market.

5. Other relevant economic factors—effect on Industry

(a) Installed Capacity and Capacity Utilisation;

(23) The Installed Capacity of Indian domestic industry, M/s. Kesar Petroproducts Ltd., which commenced its production in March 1992 is 5000 MT. The capacity utilisation of

M/s. Kesar Petroproducts Ltd., is 29.1 per cent and 23.3 per cent during the month of June 1992 and July 1992 respectively on pro-rata basis.

(b) Inventory

(24) The closing stock position of Bisphenol-A of the domestic industry may be seen from the following :—

| | (M.T.) |
|---------------|--------|
| June '92 | 110 |
| September '92 | 402 |
| August '92 | 397 |
| September '92 | 492 |
| October '92 | 582 |
| November '92 | 728 |
| December '92 | 1000 |

The closing stock of Bisphenol-A has been continuously increasing soon after commencement of commercial production by the domestic Indian manufacturer.

(c) Volume of sales and market share of Indian Industry.

(25) As the production of Bisphenol-A in the country was very limited, mainly being used for captive consumption, the demand of the product including that from M/s. Cibatul had to be met from imports. Prior to the commencement of production of M/s. Kesar Petroproducts Ltd., there was no Indian industry to meet the domestic requirement. Since the fully due to dumped imports.

(d) Price trends and profitability

(26) The indigenous manufacturer was able to sell a very small quantity. The company was able to realise only Rs. 61,000 MT, net of discounts, in June 1992. Almost the same trend continued during the period July-December, 1992. However, the company could hardly sell much material locally; it sold 11 tonnes in June, 1992 and 73 tonnes in July to December, 1992 against production of around 1300 MT during the period June to December, 1992.

(27) The profitability of the manufacturer has been adversely affected due to loss of sale in the wake of continued dumping of the product originating in Japan.

(6) Conclusion

(28) In order to determine whether the imports from Japan are causing material retardation to the establishment of an Indian industry within the meaning of Rule 18 supra, the Designated Authority took into account the following facts:—

1. The new capacity which has come into production in 1992 could sell less than 10 per cent of the production during June 1992, while during the 7 months period June-December, 1992, it could not sell beyond 6 per cent of its production.
2. The capacity utilisation achieved during June 1992 was only 29 per cent and during the period June '92-December '92, it was 47 per cent on pro-rata basis.
3. Japan, the country under investigation, is a substantial producer of Bisphenol-A.
4. During 1991-92 Japan accounted for 63 per cent of the total import of Bisphenol-A in India compared to 41 per cent in 1990-91. The share of imports from Japan has been steadily rising over the years.
5. The import price of Bisphenol-A from Japan has been showing a declining trend since 1988-89. The price declined from US \$ 1418 per MT in 1988-89 to \$ 1350 MT in 1990-91 & \$ 1125 MT in 1991-92; to US \$ 1012 during April-July, 1992 and further to US \$ 900 MT in July, 1992.

6. Indian domestic producer is forced to sell the product at price even lower than its cost due to imports and imports have clear impact to depress prices and prevent price increase which otherwise would have occurred.

7. Inventory of the product with the Indian industry has considerably increased from 110 MT in June '92 to 1,000 MT in December '92.

(29) Substantial capacity has been created in the country to meet the present and projected demand of the country. The indigenous industry has not been able to market its product because of competition from imports at cheaper dumped prices. Inventories are already showing an upward trend. It is therefore, felt that overall imbalance in the global demand and supply and the recessionary conditions in the world market will continue to induce the exporting country to sell Bisphenol-A at dumped prices into India. This is likely to result in losses to the Indian manufacturer and consequent decline in profitability, employment, wages, capacity utilisation and financial returns from investment. In view of this, it is considered that the dumped imports from Japan are causing material retardation to the establishment of an industry in India.

H. INDIAN INDUSTRY INTEREST

1. General consideration :

(30) The purpose of anti-dumping duties is to eliminate dumping which is causing injury or threatening material injury to the Indian industry or material retardation to the establishment of an industry in India for securing an open and fair competition in the Indian market which is fundamentally in the general interest of the country.

(31) While the Authority recognised that the imposition of anti-dumping duties may affect price levels of the exporters concerned in the Indian market and subsequently may have some influence on the relative competitiveness of their products, it does not expect fair competition on the Indian market to be reduced by taking of anti-dumping measures particularly if the levy of the anti-dumping duty is limited to the amount necessary to redress the situation of material retardation to the establishment of an Indian industry in India. On the contrary, the removal of unfair advantage gained by the dumping practices is designed to prevent the material retardation to the establishment of the Indian industry and, thus, to help maintain the availability of the wider choice of producers/suppliers.

(32) The Authority also considered and balanced the effects of anti-dumping duties on Bisphenol-A imported from Japan in relation to specific interest of the Indian industry and other interested parties including consumers.

2. Interest of the Indian Industry

(33) In view of the nature of material retardation to the establishment of an Indian industry, in particular the fact that when a new capacity has come in the Indian industry, it has been forced into the unhealthy competition caused by dumped imports, the Authority considers that in the absence of intervention, the disappearance of Indian producer cannot be ruled out. This could cause stoppage of production leading to loss of investment employment and may lead to reduction of the choice of suppliers which is not in the interest of Indian consumers.

3. Interest of other parties

(34) Arguments have been raised that the imposition of anti-dumping measures would be contrary to the Indian public interest because this would result in higher prices, less competition and may harm other Indian industries.

(35) Although it is clear that price advantages based on unfair practices are unjustifiable and may in the long run be harmful even to the interest of consumers when they have the effect on weakening competitors and provoking their disappearance, it is uncertain in this case that for the consumers of Epoxy Resins the imposition of protective measures will result in substantial higher prices since Bisphenol-A is only a raw material which has to be processed further before reaching the ultimate consumer.

4. Conclusion

(36) In conclusion, after balancing the various interests involved, the Authority considers that the imposition of measures in the present case will establish fair competition by eliminating the injurious effect of dumping practices.

(37) The Authority considers that it is, therefore, in the general interest of the Indian public to impose anti-dumping measures in the form of a provisional anti-dumping duty.

I. DUTY

(38) For the purpose of establishing the level of the provisional duty, the Authority took into account the dumping margin found and the amount of duty necessary to eliminate the material retardation to the establishment of an Indian industry.

(39) Material retardation to the establishment of an Indian industry has resulted from the rice depression caused by dumped imports 1992. The weighted average export prices for the product during the investigation period plus the basic and auxiliary duties of customs were taken as the basis to arrive at the price at which the product entered India. For the purpose of determining the cost of production in India, calculations were made on the basis of actual cost of production data of the petitioner adjusted to full capacity utilisation. After adding reasonable profit margin, the domestic prices were compared with the landed prices of dumped imports. Both excise duty and countervailing duty were excluded from these calculations. Comparison was made between domestic and imported prices to work out the amount of duty necessary to minimise if not to eliminate the impact of material retardation to the establishment of an industry in India.

(40) The Designated Authority has taken into consideration the impact of the Budget presented on 27-2-93. The import duty on Bisphenol-A has been reduced to 85% thereby reducing the landed price of imported product and widening the gap between the price of imported product and the selling price of domestic industry.

J. FINDINGS

(41) The Authority accordingly has come to the conclusion that :

- (i) Exporter from Japan has sold in India Bisphenol-A, falling under H.S. Nomenclature Code No. 29072300 below normal value;
- (ii) The Indian industry is facing material retardation to the establishment of an industry in India to manufacture Bisphenol-A; and
- (iii) The material retardation to the establishment of an Indian industry is caused by the dumped imports originating from Japan.

K. RECOMMENDATIONS

(42) Under the provisions of the Indian anti-dumping regulations, it would be permissible to levy anti-dumping duties equal to the margin of dumping. The Designated Authority accordingly recommends imposition of the provisional anti-dumping duty for a period of four months, from the date of Gazette Notification in this regard, at the following rate which is lower than the margin of dumping:—

Percentage of CIF Value

| | |
|--|------|
| — Exports by M/s Mitsui & Co. Ltd., Japan | 28.9 |
| — All other exports originating from Japan | 28.9 |

(43) The provisional anti-dumping duty shall not be added for the purpose of calculation of the countervailing duty.

(44) This duty would also be applicable to new or any other exporter from Japan who are not parties to the present proceedings.

(45) All interested parties are advised to make known their views and apply to be heard orally by the Authority within one month of the date of issue of this notification.

Y. VENUGOPAL REDDY, Designated Authority &
Addl. Secy.